Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 08 मई, 2021

रवींद्रनाथ टैगोर

07 मई, 2021 को देशभर में विश्व प्रसिद्ध कवि, साहित्यकार और दार्शनिक रवींद्रनाथ टैगोर की 160वीं जयंती मनाई गई। रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 07 मई, 1861 को ब्रिटिश भारत में बंगाल प्रेसीडेंसी के कलकत्ता (अब कोलकाता) को हुआ था। उनके बचपन का नाम रोबिंद्रोनाथ ठाकुर था। बहुमुखी प्रतिभा के धनी रवींद्रनाथ टैगोर ने बंगाली साहित्य और संगीत को काफी महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया। इसके अलावा उन्होंने 19वीं सदी के अंत एवं 20वीं शताब्दी की शुरुआत में प्रासंगिक आधुनिकतावाद के साथ भारतीय कला का पुनरुत्थान किया। रवींद्रनाथ टैगोर एक नीतिज्ञ, कवि, संगीतकार, कलाकार एवं आयुर्वेद-शोधकर्त्ता भी थे। उन्होंने मात्र 8 वर्ष की आयु में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था और 16 वर्ष की आयु में उनका पहला कविता संग्रह प्रकाशित किया था। रवींद्रनाथ टैगोर का मानना था कि उचित शिक्षा तथ्यों की व्याख्या नहीं करती है, बल्कि जिज्ञासा को बढ़ाती है। रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी काव्यरचना 'गीतांजलि' के लिये वर्ष 1913 में साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार दिया गया था और इस तरह वह नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय थे। 'गीतांजलि' को मूल रूप से बंगाली भाषा में लिखा गया था और बाद में इसका अंग्रेज़ी में अनुवाद किया गया। भारतीय राष्ट्रगान (जन गण मन) के बांग्लादेश का राष्ट्रगान (आमार सोनार बांग्ला) भी उनके द्वारा ही रचित है। श्रीलंका के राष्ट्रगान को भी उनकी रचनाओं से प्रेरित माना जाता है। ज्ञात हो कि रवींद्रनाथ टैगोर ने ही महात्मा गांधी को 'महात्मा' की उपाधि दी थी।

विश्व रेड क्रॉस दिवस

प्रत्येक वर्ष 08 मई को विश्व भर में 'विश्व रेड क्रॉस दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस, अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रीसेंट आंदोलन के सिद्धांतों को रेखांकित करता है। यह दिवस आम जनमानस को मानवीय सहायता उपलब्ध कराने के कार्यों में संलग्न विश्व की सबसे एजेंसी (रेड क्रॉस) और समाज में उसके योगदान को जानने का अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष विश्व रेड क्रॉस दिवस की थीम 'अनस्टॉपेबल' है। 'रेड क्रॉस' एक ऐसी अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, जो बिना किसी भेदभाव के युद्ध, महामारी एवं प्राकृतिक आपदा की स्थिति में लोगों की रक्षा करती है। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य विपरीत परिस्थितियों में लोगों के जीवन की रक्षा करना है। विश्व रेड क्रॉस दिवस, रेड क्रॉस के जनक 'जीन हेनरी ड्यूनैंट' के जन्मदिवस को चिह्नित करता है, जिनका जन्म 8 मई, 1828 को जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में हुआ था। 'जीन हेनरी ड्यूनैंट' को वर्ष 1901 में पहला नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया था। 'इंटरनेशनल कमेटी ऑफ द रेड क्रॉस' (ICRC) की स्थापना जीन हेनरी ड्यूनैंट द्वारा वर्ष 1863 में की गई थी। भारत में 'इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी' का गठन वर्ष 1920 में हुआ था।

विश्व थैलेसीमिया दिवस

दुनिया भर में 08 मई को 'विश्व थैलेसीमिया दिवस' का आयोजन किया जाता है। इस दिवस के आयोजन का प्राथमिक लक्ष्य थैलेसीमिया जैसे गंभीर आनुवंशिक विकार और इससे पीड़ित रोगियों के संघर्ष के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही यह दिवस पीड़ितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिये समर्पित डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा कर्मियों तथा इस रोग के उन्मूलन की दिशा में कार्य कर रहे वैज्ञानिकों का भी सम्मान करता है। विश्व थैलेसीमिया दिवस (08 मई) की शुरुआत वर्ष 1994 में थैलेसीमिया इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा की गई थी। थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जो कि माता-पिता से बच्चों तक पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है। इस स्थायी रक्त विकार के कारण रोगी के लाल रक्त कणों (RBC) में पर्याप्त हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता है। इसके कारण एनीमिया हो जाता है और रोगियों को जीवित रहने के लिये हर दो से तीन सप्ताह बाद रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। रोग की गंभीरता जीन में शामिल उत्परिवर्तन और उनकी अंतःक्रिया पर निर्भर करती है।

'स्टारशिप' अंतरिक्ष यान

अमेरिका की निजी अंतरिक्ष एजेंसी 'स्पेसएक्स' (SpaceX) ने अपने प्रोटोटाइप 'स्टारशिप' रॉकेट को सफलतापूर्वक लैंड करवाने में में कामयाबी हासिल कर ली है। 'स्पेसएक्स' को अपने पाँचवें प्रयास में यह सफलता हासिल हुई है। 'स्पेसएक्स' द्वारा डिज़ाइन किया गया 'स्टारशिप' एक अंतरिक्ष यान और अत्यधिक भारी बूस्टर रॉकेट है, जिसका प्राथमिक कार्य पृथ्वी की ऑर्बिट, चंद्रमा और मंगल ग्रह पर चालक दल और कार्गो के लिये पूरी तरह से पुन: प्रयोज्य परिवहन प्रणाली के रूप में कार्य करना है। इस अंतरिक्ष यान में 100 मीट्रिक टन से अधिक कार्गो को पृथ्वी के ऑर्बिट में पहुँचाने की क्षमता है। 'स्टारशिप' का विकास वर्ष 2012 से ही किया जा रहा है और यह अंतरिक्ष अन्वेषण एवं अंतरिक्ष यात्राओं को सुलभ तथा सस्ता बनाने के लिये 'स्पेसएक्स' के केंद्रीय मिशन का एक हिस्सा है। आने वाले समय में स्टारशिप प्रणाली 'स्पेसएक्स' की आंशिक रूप से पुन: प्रयोज्य फाल्कन रॉकेट प्रणाली का स्थान ले लेगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-08-may-2021